

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, लेक्चर 17, न्यायियों

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

यहोशू की पुस्तक के अंत में लोग क्या वादा करते हैं? ओह हाँ, हम आज्ञाकारी होने जा रहे हैं। कोई समस्या नहीं, हम वाचा को निभाने जा रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण है कि हम न्यायियों की पुस्तक शुरू करते समय इसे ध्यान में रखें।

फिर से, अगर आज हमारे पास ज़्यादा समय होता, तो हम कुछ सवालों पर चर्चा करते, क्योंकि न्यायियों की पुस्तक में कुछ बहुत ही दिलचस्प सवाल उठाए गए हैं। मैं आज उनमें से कुछ पर चर्चा करने की कोशिश करूँगा। शायद मैं उन सभी पर चर्चा न कर पाऊँ, लेकिन देखते हैं क्या होता है। मैं अध्याय दो के मध्य से शुरू करते हुए एक काफ़ी विस्तृत अंश पढ़कर शुरुआत करना चाहता हूँ।

इसलिए, अगर आपके पास बाइबल है, तो आप इस पर नज़र रखना चाहेंगे। यह दूसरी पीढ़ी की समस्या है। क्या आप इस समस्या को जानते हैं? यह सिर्फ़ न्यायाधीशों के दौर में ही सामने नहीं आई।

यह इस्राएल के इतिहास की अवधि में भी जारी रहा, और यह हमारे साथ-साथ दूसरी पीढ़ी के ईसाइयों के साथ भी एक बुरे तरीके से सामने आया है, जिनके दादा-दादी और माता-पिता शायद पवित्र आत्मा और सुसमाचार की उपस्थिति से उनके जीवन में महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित हुए थे और वचन ने एक क्रांतिकारी परिवर्तन और रूपांतरण किया था। लेकिन आप जानते हैं क्या? अगर यह हमारा नहीं है, तो इसका कोई भी प्रभाव नहीं पड़ने वाला है, और यही दूसरी पीढ़ी की समस्या है।

आइए देखें कि न्यायियों की पुस्तक में क्या हुआ। मैं अध्याय दो की आयत 10 से शुरू कर रहा हूँ। उसके बाद पूरी पीढ़ी अपने पूर्वजों के पास इकट्ठी हो गई।

यह वही है जिसने यहोशू की पुस्तक के अंत में वाचा को नवीनीकृत करते समय आज्ञाकारी होने का वादा किया था। एक और पीढ़ी बड़ी हुई जो न तो प्रभु को जानती थी और न ही यह जानती थी कि उसने इस्राएल के लिए क्या किया था। तब इस्राएलियों ने प्रभु की दृष्टि में बुरा किया और उन्होंने बाल देवताओं की सेवा की।

समय बीतने के साथ-साथ हमें बाल के बारे में बहुत कुछ कहना होगा, लेकिन यह हमारी पहली समस्या है, और हम इसे बार-बार देखेंगे। यह एक दोहराया हुआ चक्र है। धर्मत्याग।

क्या आप जानते हैं कि धर्मत्याग का क्या मतलब है? मेरा मतलब है, यह धर्मत्याग मूर्तिपूजा है, और वे बाल और अशतोरेथ और उनके आस-पास की हर चीज़ की सेवा करने जा रहे हैं। लेकिन सारा, इस शब्द का क्या मतलब है? हाँ, और यह ग्रीक से आया है, जिसका शाब्दिक अर्थ है दूर

खड़े होना। तो, यह जानबूझकर दूर हटना है, उस चीज़ से दूर खड़े होना जिसके लिए उन्हें प्रतिबद्ध होना चाहिए था और जिसके बारे में उनके पास दृढ़ विश्वास था।

इसलिए उन्होंने यहोवा की नज़र में बुरा किया, बाल देवताओं की सेवा की, पद 12। उन्होंने यहोवा को त्याग दिया, उनके पूर्वजों के परमेश्वर, जिन्होंने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला था। उन्होंने अपने आस-पास के लोगों के साथ विभिन्न देवताओं की पूजा की और उनका अनुसरण किया।

उन्होंने प्रभु को क्रोधित किया क्योंकि उन्होंने उसे त्याग दिया और बाल और अशतोरेत की सेवा की। हमें बात समझनी चाहिए। यह बात कई बार कही गई है।

इस्राएल के प्रति अपने क्रोध में, प्रभु ने उन्हें लुटेरों के हाथों में सौंप दिया जिन्होंने उन्हें लूट लिया। उत्पीड़न चक्र में हमारा दूसरा चरण है। उसने उन्हें उनके चारों ओर के शत्रुओं के हाथों में बेच दिया जिनका वे अब विरोध करने में सक्षम नहीं थे।

जब भी इस्राएल युद्ध करने के लिए बाहर जाता था, तो प्रभु का हाथ उन्हें हराने के लिए उनके विरुद्ध होता था, जैसा कि उसने शपथ ली थी। दूसरे शब्दों में, क्या आपको वे वाचा के आशीर्वाद और वादे याद हैं? क्षमा करें, आशीर्वाद और शाप? यदि वे आज्ञाकारी होते, तो परमेश्वर उन्हें आशीर्वाद देता। और उन आशीर्वादों का एक हिस्सा भू-राजनीतिक सुरक्षा से जुड़ा था।

अगर वे अवज्ञाकारी होते, तो क्या होता? परमेश्वर उन शत्रुओं का उपयोग उन्हें वापस अपने पास लाने के लिए दंड देने के लिए करता। यही हमेशा उद्देश्य होता है। और यही हम यहाँ होते हुए देखते हैं।

इसमें कहा गया है कि वे बहुत संकट में थे। और इसमें उनका पश्चाताप भी शामिल है। वे मदद के लिए पुकारते हुए प्रभु के पास आए।

और फिर यह कहता है, श्लोक 16, प्रभु ने न्यायियों को खड़ा किया जो उन्हें हमलावरों के हाथों से बचा रहे थे। तो, वहाँ उद्धार है। समस्या यह है, और मैं पढ़ता रहूँगा, वे बार-बार चक्र दोहराते हैं।

वे अपने न्यायियों की बात नहीं मानते थे, बल्कि दूसरे देवताओं के प्रति व्यभिचार करते थे और अपने पूर्वजों के विपरीत उनकी पूजा करते थे। वे जल्दी ही उस मार्ग से विमुख हो गए जिस पर उनके पूर्वज चले थे। श्लोक 18, जब भी प्रभु ने उनके लिए एक न्यायी को खड़ा किया, तो वह न्यायी के साथ था और जब तक न्यायी जीवित रहा, तब तक उन्हें उनके शत्रुओं के हाथों से बचाता रहा क्योंकि परमेश्वर को उन पर दया थी।

लेकिन जब जज की मृत्यु हो गई, तो लोग पहले से कहीं ज़्यादा भ्रष्ट तरीकों पर लौट आए। तो, हम यहाँ एक छोटे से संक्षिप्त विवरण में देखते हैं कि इस दूसरी पीढ़ी की समस्या के साथ क्या हो रहा है। और हम चार जजों के जीवन का अनुसरण करने जा रहे हैं और इसे घटित होते हुए देखेंगे।

जैसा कि मैंने आपको बताया, मूल रूप से यह पुस्तक इसी बारे में है। कुछ अन्य विषय भी हैं जिनके बारे में हम थोड़ी देर में बात करने जा रहे हैं, लेकिन आप इसे यहाँ देख सकते हैं। और

मेरा विश्वास करें, अगर हम इसे अपने आप से बात करने दें तो इसमें सभी तरह के समकालीन अनुप्रयोग हैं।

इस्राइल के आरंभिक इतिहास की घटनाओं का उपयोग करके एक महत्वपूर्ण सबक सिखाया गया है। आखिरी वाक्य जिस पर मैं लगभग 15 मिनट में वापस आऊंगा, वह यह है कि संभवतः न्यायियों की पुस्तक कालानुक्रमिक क्रम में नहीं है। मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ कि अध्याय 17 से 21 में दी गई सामग्री वास्तव में आरंभिक काल में घटित होती है।

अब, सामान्य रूप से, मैं अगले व्याख्यान में यह कर लेता, लेकिन हम इसे आज के अंत में संक्षिप्त करने जा रहे हैं। ठीक है, अब तक सब ठीक है? क्या हम आगे बढ़ सकते हैं? ठीक है, मुझे पता है, बुरा, बुरा, बुरा। हम जो करने जा रहे हैं, उनमें से एक यह है कि इस मानचित्र पर वापस लौटने में बहुत समय व्यतीत करें।

तो आप इसे लगभग पाँच बार देखेंगे, लेकिन पहले हम भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर नज़र डालते हैं। मैंने यह नक्शा सीधे बाइबल के लिए NIV एटलस से लिया है। अगर आप वापस जाकर इसे फिर से देखना चाहें तो यह लाइब्रेरी के संदर्भ अनुभाग में है।

लेकिन नीले-हरे रंग में, ये चीजें यहीं हैं, और हमारे पास हमारे प्रमुख न्यायाधीश हैं। लेकिन जब हम उनके बारे में सोचते हैं, तो हम बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखना चाहते हैं। और जैसा कि मैंने यहाँ आपके लिए नोट किया है, ध्यान में रखने वाली पहली बात यह है कि यह समय की अवधि है। फिर से, न्यायियों की पुस्तक या तो लगभग 400 वर्षों में या लगभग 200 और कुछ में सामने आती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम निर्गमन की तिथि कहाँ रखते हैं।

यह वही पूरा मुद्दा है। लेकिन इस दौरान, मिस्र में दक्षिण से या मेसोपोटामिया से बहुत अधिक शक्ति प्रकट नहीं हो रही है, क्योंकि इसका असर इज़राइल पर ही पड़ेगा। हाँ, जैसा कि मैंने आपको बताया, हिस्सियों ने मिस्रियों से लड़ाई की है, और हमारे पास वास्तव में कुछ संधियाँ हैं।

अगर आपको यंगब्लड पढ़ना याद है, तो आपके पास हिस्सी संधि का रूप है। यह इसी अवधि से निकलकर आ रहा है। लेकिन इसका इसराइल पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि वे मुख्य रूप से पहाड़ी इलाकों में रहते हैं।

यहाँ आपकी भौगोलिक स्थिति काम आती है। वे तटीय मैदान पर नहीं हैं, इसलिए इसका उतना प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। इसके बजाय, जो हो रहा है वह मोआब से होने वाला उत्पीड़न है।

मोआब यहीं इस क्षेत्र में है, और हम मोआब के साथ कुछ घटनाएँ देखने जा रहे हैं। फिलिस्तिआ, निश्चित रूप से, विशेष रूप से न्यायियों की अवधि के अंत में। यदि आप आज के लिए सैमसन की कहानी पढ़ते हैं, तो वह फिलिस्तिआ का मैदान है, और फिलिस्तिआ ने इस समय अवधि के लिए जीवन को दयनीय बना दिया है, और जैसा कि आप जानते हैं, शाऊल और डेविड के साथ भी।

और फिर न केवल आपके पास ऐसे पड़ोसी हैं जो उन्हें दोनों तरफ से दबा रहे हैं, एक विशाल नटकैकर की तरह, आप जानते हैं, बल्कि आपके पास ऐसे लोग भी हैं जो अर्ध-खानाबदोश हैं।

मिद्यानी और अमालेकी भी इस तरफ से आने वाले हैं, इसलिए इसे ध्यान में रखें। हमारी तीसरी बात, अगर आप इन कथाओं को ध्यान से पढ़ें, तो आप देखेंगे कि एक जनजाति स्थानीय समस्या से निपटने के लिए दो या तीन या चार अन्य लोगों के साथ मिल सकती है।

इसलिए, अगर यहाँ कुछ हो रहा है, उदाहरण के लिए, डेबोरा और बराक के समय में, यह हाज़ोर का राजा है, तो ये उत्तरी जनजातियाँ इसे संभालने जा रही हैं। आपके पास मदद करने के लिए यहूदा और शिमोन नहीं हैं। इसलिए ये एक तरह से आत्मनिर्भर इकाइयाँ हैं।

कोई केंद्रीय नियम नहीं है, और यह वास्तव में महत्वपूर्ण होने जा रहा है। पुस्तक के अंत में, यह बार-बार कहता है कि उस दिन, हर कोई वही करता था जो उसकी अपनी नज़र में उचित था। इस्राएल का कोई राजा नहीं था।

बेशक, यह आने वाले राजा के लिए मंच तैयार कर रहा है जिसे 1 शमूएल में उठाया जाएगा। इसलिए, हम देखेंगे कि यह इस्राएल के लिए एक तरह का संक्रमण काल है। कुछ मायनों में, राजा का न होना अच्छा है, लेकिन कई मायनों में, यह वास्तव में बहुत बुरा है।

और फिर, न्यायियों के उन अंतिम अध्यायों ने राजा की आवश्यकता के लिए मंच तैयार किया। केंद्रीय शासन और जनजातीय संस्थाओं के एक साथ आने के संदर्भ में ध्यान में रखने वाली दूसरी बात यह है कि न्यायियों की पुस्तक में सूचीबद्ध सभी वर्षों को जोड़ने और पूरी समय अवधि का पता लगाने की कोशिश न करें क्योंकि यहाँ बहुत सारी ओवरलैप हैं। उत्तर में होने वाली घटनाओं में से एक कालानुक्रमिक रूप से दक्षिण में होने वाली किसी घटना के साथ ओवरलैप होगी।

तो, हमारे साल हमें समय-सीमा तय करने में मदद नहीं करते। अब तक सब ठीक है? हमारे पास अब तक दो साल हैं, अब तक सब ठीक है, और अब तक कुछ भी ऐसा नहीं है, जो अब तक सब ठीक हो। हाँ, आगे बढ़ो।

हाँ, सवाल यह है कि इस अवधि में आपके पास किसी तरह का केंद्रीय शासक क्यों नहीं है? ऐसा क्यों लगता है कि अलग-अलग संस्थाएँ हैं, जिनकी मदद के लिए एक न्यायाधीश को खड़ा किया गया है, लेकिन वास्तव में कोई भी केंद्रीय रूप से स्थित नहीं है? मुझे इसका पूरा जवाब नहीं पता, लेकिन मैं आपके लिए यह कोशिश करूँगा। जैसा कि हमने कहा, जोशुआ ने यहोशू के अंत में उनसे आग्रह किया है कि वे प्रभु के प्रति वफादार रहें। और फिर, धर्मतंत्र के तहत, उन्हें शिलोह में तम्बू के साथ, शिलोह जाना चाहिए था, अपने बलिदान चढ़ाने चाहिए थे, उन पुजारियों के अधीन रहना चाहिए था जो उन्हें टोरा और लेवियों को सिखाते थे, माना जाता है, वहाँ सभी जगह।

लेकिन यह सब खत्म हो जाता है। और आप देखते हैं कि अगर आपके पास अच्छे लोग होते तो यह संभावित रूप से एक अच्छी स्थिति होती। लेकिन आपके पास अच्छे लोग नहीं हैं।

यह यहाँ की मुख्य बात है। और इसलिए, उन्हें पता चलेगा कि उन्हें केंद्रीकृत प्राधिकरण की आवश्यकता है। मैं बस इतना ही कहूँगा, लेकिन यह एक बड़ा मुद्दा है।

कुछ लोग हैं जो प्रथम नियम, पुराने नियम का समाजशास्त्रीय अध्ययन करते हैं, और वे कहते हैं, यह मुझे आकर्षित करता है, वे कहते हैं कि न्यायियों की पुस्तक सबसे अच्छा समय था। यह इज़राइल के लिए आदर्श समय था, क्योंकि उनके पास कर, वगैरह, वगैरह के साथ केंद्रीकृत शासन नहीं था। यह अधिक सामुदायिक था।

वे जो भूल रहे हैं वह है न्यायियों द्वारा कही गई बातों का धार्मिक महत्व, और वह यह है कि, हर किसी ने वही किया जो उनकी नज़र में सही था, और सर्पिल नीचे और नीचे और नीचे चला जाता है। शायद आप जितना चाहते थे उससे ज़्यादा लंबा जवाब है। सारा, आपका सवाल क्या था? क्या आप कह रहे हैं कि जनजातियों ने लड़ाई लड़ी? अच्छा सवाल है। क्या मैं यह कह रहा हूँ कि इस्राएल में जनजातियों ने एक दूसरे से लड़ाई लड़ी? उन्होंने दुश्मन से लड़ने के लिए एक साथ मिलकर काम किया।

लेकिन आपकी पहली बात भी सच है, क्योंकि दो मौकों पर अंतर-जनजातीय युद्ध हुआ, दिलचस्प बात यह है कि एग्रेम और मनश्शे के बीच। या एग्रेम और गिलाद, और गिलाद का हिस्सा मनश्शे का हिस्सा। तो यह वास्तव में दोनों का थोड़ा-थोड़ा हिस्सा है।

लेकिन आप सही कह रहे हैं, धन्यवाद। मैं यह कहना चाह रहा था कि जब भी कोई समस्या आई, तो उन्होंने एकजुट होकर उन विदेशी संस्थाओं से मुकाबला किया जो उन पर हमला कर रही थीं। और कुछ? ठीक है, देखते हैं कि हम यहाँ और क्या कर सकते हैं। पुस्तक के संदेश उस बात का थोड़ा विस्तार करते हैं जो मैंने पहले कही थी।

यह फिर से व्यवस्थाविवरण इतिहास का हिस्सा है, है न? तो, लोगों की अवज्ञा प्रभु से दंड लाती है। यही वाचा थी। और परमेश्वर वाचा के प्रति वफादार है।

इसलिए, इस्राएल प्रभु की नज़र में बुरा करता है। ये वे लोग हैं जो भटक रहे हैं, और वे बुरी तरह से भटक रहे हैं, और परमेश्वर उन्हें वापस लाने के लिए उनके आस-पास के लोगों का उपयोग करेगा। मैंने पहले ही यह सुझाव दिया है, खासकर पुस्तक के अंत में इसकी विषयगत व्यवस्था में।

हम इस तथ्य को देख रहे हैं कि इन लोगों को एक राजा की आवश्यकता है। उन्हें एक राजा की आवश्यकता है। अब, बेशक, राजा, आम तौर पर, किसी और की तुलना में बहुत बेहतर नहीं होने वाला है, लेकिन कम से कम केंद्रीकृत शासन तो होगा।

दिलचस्प बात यह है कि हम फिर से देखते हैं कि पुस्तक के अंत में, अध्याय 17 से 19 तक, साहित्यिक दृष्टिकोण से, यह अवधि का अंत है, और यह हमें यहूदा के गोत्र के बारे में सोचने के लिए तैयार कर रहा है। पुस्तक के अंत में यहूदा का गोत्र वास्तव में प्रमुख है, और हम इस पर भी थोड़ी देर में विचार करेंगे। खैर, यह कोई नया विषय नहीं है।

हम अच्छी तरह जानते हैं कि परमेश्वर, अपनी दैवी निगरानी, अपनी संप्रभुता, इन सभी घटनाओं को निर्देशित करने में, वास्तव में इन लोगों के साथ वही करने जा रहा है जो किया जाना चाहिए, और वह दोषपूर्ण मनुष्यों का उपयोग करता है, ठीक वैसे ही जैसे आप और मैं। इनमें से प्रत्येक

न्यायाधीश में महत्वपूर्ण कमज़ोरियाँ हैं, और हम इस मामले को खोलते समय उनमें से कुछ पर नज़र डालने जा रहे हैं, ठीक है? खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं। फिर से इब्रानियों की पुस्तक की ओर एक त्वरित चक्कर।

याद रखें, इब्रानियों में हमारे वफादार लोगों की सूची है। अगर हमारे पास समय होता, तो हम न्यायियों की पुस्तक पर चार अलग-अलग व्याख्यान या चार घंटे खर्च करके पूरी बात कर सकते थे, लेकिन मैं इब्रानियों के अध्याय 11 में दिए गए रूब्रिक को उन न्यायियों को आकार देने दूंगा जिनके बारे में हम बात करने जा रहे हैं। ठीक है, तो चलिए शुरू करते हैं।

हमने इब्रानियों की पुस्तक में अब्राहम को बहुत स्पष्ट रूप से देखा है, और कुछ अन्य लोगों ने भी ऐसा ही देखा है। पद 31 कहता है, विश्वास के कारण, वेश्या राहाब, क्योंकि उसने जासूसों का स्वागत किया, उन लोगों के साथ नहीं मारी गई जो अवज्ञाकारी थे। अब, पद 32 में, मैं और क्या कहूँ? मेरे पास गिदोन, बाराक, शिमशोन और यिप्तह के बारे में बताने का समय नहीं है; ये वे चार हैं जिनके बारे में हम बात करने जा रहे हैं, ठीक है? गिदोन, बाराक, शिमशोन, यिप्तह, और फिर, बेशक, वह दाऊद, शमूएल और भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करता है।

श्लोक 33, जिन्होंने विश्वास किया, राज्यों पर विजय प्राप्त की, न्याय किया, और जो वादा किया गया था उसे प्राप्त किया। इसलिए भले ही हम सभी न्यायाधीशों के बारे में नहीं जान सकते, लेकिन हम इन चार, इन चार प्रमुख न्यायाधीशों के बारे में जानने जा रहे हैं। इसलिए, आपकी अपनी सलाह के लिए, मेरी सलाह है कि आप इन चार न्यायाधीशों में से प्रत्येक के संदर्भ में प्रमुख घटनाओं को जानें, उनकी कमज़ोरियाँ क्या थीं, और कैसे परमेश्वर ने उन्हें उनके बावजूद इस्तेमाल किया।

यहाँ बहुत सी बातें सीखने को मिलेंगी। सबसे पहले, डेबोरा और बाराक, गिदोन, यिप्तह और सैमसन। हालाँकि, यह सब कहने के बाद, एक बात ध्यान देने लायक है कि इस पुस्तक को पढ़ते समय कुल 12 न्यायाधीश हैं।

इसलिए हमें शायद इस पर थोड़ा और समय बिताना चाहिए। और मैं ओत्नीएल और एहूद को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहता क्योंकि वे काफी दिलचस्प हैं। एहूद बेंजामिन के गोत्र का बाएँ हाथ का न्यायाधीश है जो अंदर जाता है और अपनी तलवार इस राजा पर फेंक देता है, जो इतना मोटा है कि चर्बी तलवार के चारों ओर इस तरह से लिपट जाती है जैसे एहूद भागता है।

यह एक दिलचस्प कहानी है। ओत्नीएल की भी, लेकिन आप जानते हैं, हमारे पास उनके लिए समय नहीं है। मैं आपको उन सभी को खुद पढ़ने और उन कथाओं का आनंद लेने दूंगा।

एक और बात जिस पर हम ध्यान देना चाहते हैं, वह यह है कि इस खास समय अवधि में महिलाओं को ज़्यादा महत्व दिया जाता है। अब, ज़ाहिर है, डेबोरा हमारी मुख्य हस्ती हैं, जैसा कि हम हमेशा सोचते हैं, क्योंकि वह एक जज हैं, और हम उनके बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे। लेकिन इसमें अन्य महिलाएँ भी शामिल हैं जो काफी महत्वपूर्ण हैं।

क्या आप उनमें से किसी के बारे में सोच सकते हैं? हाँ, जैल, या या-एल, मैं इसे या-एल कहूँगा, लेकिन हम यहाँ अंग्रेजी में जैल के बारे में बात कर रहे हैं। और फिर वह अद्भुत अनाम महिला है जो अबीमेलेक के सिर पर चक्की का पत्थर गिराती है, है न? इसका हकदार कौन था? तो वहाँ एक प्रमुखता है, और अध्याय 17 में मीका की माँ, वह जरूरी नहीं कि सबसे अच्छी महिला हो, लेकिन आप जानते हैं, हम उसके बारे में भी बात करेंगे।

ओह, मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था। चलिए इसे वापस लेते हैं। चलिए शुरू करते हैं। सबसे पहले नक्शा, और फिर, जैसे ही मुझे मेरा पॉइंटर मिल जाएगा, हम कहानी के कुछ विवरणों के बारे में बात करेंगे।

मैं चाहता हूँ कि आप शुरू से ही एक बात पर ध्यान दें। यहाँ हमारे पास है, और हमारा पाठ हमें बताता है, कि डेबोरा बेथेल और रामा के बीच न्याय कर रही है। तो, यहाँ डेबोरा का स्थान है।

वह बेथेल और रामा के बीच एक पेड़ के नीचे स्थित है। दूसरी ओर, बाराक कादेश और नप्ताली से है। वह यहाँ ऊपर है।

पाठ में कहा गया है कि लोग अपने मामले निर्णय के लिए, न्याय के लिए डेबोरा के पास लाते हैं। इसलिए, उसे काफी प्रसिद्धि मिली है। आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए।

आपको यह भी ध्यान में रखना होगा कि जब यहाँ समस्याएँ आती हैं, तो वे हज़ोर की जगह से आती हैं। अब, हम हज़ोर के बारे में पहले भी बात कर चुके हैं। दरअसल, पिछली बार हमने हज़ोर के बारे में बात की थी, क्योंकि याबीन नाम का एक व्यक्ति था, जिसे हम फिर से देखने जा रहे हैं।

ऐसा लगता है कि यह एक राजवंशीय नाम है। हासोर का राजा याबीन, जोशुआ की पुस्तक में जोशुआ और इस्राएलियों द्वारा जीती गई प्रमुख ताकतों में से एक है। अब हम इसे फिर से उभरते हुए देख रहे हैं, हासोर उस शहर-राज्य, उस क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण राज्य है।

किसी भी हालत में, हज़ोर यहाँ रहने वाले इन लोगों के लिए जीवन को दयनीय बना देगा। और आपको बस यह ध्यान रखना है कि जब डेबोरा यहाँ से ऊपर बराक को वचन देती है, तो वह कहता है, हाँ, मैं वही करूँगा जो तुम कहोगे। इसलिए उसे उस क्षेत्र में काफी प्रभाव मिला है जहाँ बहुत से लोग रहते थे, जो फिर से, एक तरह से कबीलाई थे।

उसका शब्द आदिवासी सीमाओं से परे है, इसे बस इसी तरह से कहें। हमें माउंट ताबोर पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह कथा में महत्वपूर्ण होने जा रहा है। यह यहीं है।

हम किशोन नदी पर ध्यान देना चाहते हैं, जो यिज़्रेल घाटी में जाती है। यह इस ओर से बहेगी। और फिर, बेशक, इस क्षेत्र में नप्ताली जनजाति और यहाँ के नीचे ज़ेबुलुन जनजाति।

वे मुख्य खिलाड़ी हैं। तो, डेबोरा के दक्षिणी स्थान पर ध्यान दें। ध्यान दें कि लड़ाई इसी क्षेत्र में हो रही है।

ठीक है, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? अब आइए कथा के कुछ विवरण देखें। एक बात जिस पर हमें थोड़ा सा ध्यान देने की ज़रूरत है, वह यह है कि आपको क्यों लगता है कि इब्रानियों की पुस्तक में डेबोरा का उल्लेख नहीं है, बल्कि इसके बजाय बाराक का उल्लेख है। आखिरकार, वह यहाँ प्रमुख पात्र है, है न? या कम से कम वह निश्चित रूप से ऐसा प्रतीत होता है जैसा कि हम कथा को पढ़ते हैं। मुझे न्यायियों पर वापस आना चाहिए।

चौथे अध्याय में, मैं पन्ने पलटते हुए समय की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। डेबोरा, एक भविष्यवक्ता, लैपिडॉट की पत्नी। वैसे, यह एक दिलचस्प अभिव्यक्ति है।

पत्नी और महिला के लिए एक ही शब्द है। एशेत लैपिडोट का मतलब या तो लैपिडोट नाम के व्यक्ति की पत्नी हो सकता है, या इसका मतलब संभवतः एक ऐसी महिला हो सकती है जो, वैसे, लैपिड एक मशाल है। यह एक उग्र महिला है, बेबी।

शायद यह एक वर्णन है। शायद यह नहीं कहा जा रहा है कि वह एक अनाम चरित्र, लैपिडॉट की पत्नी है। शायद वह बस एक महिला है जिसके पास ढेर सारा साहस, जोश और शक्ति है और इसी तरह की अन्य खूबियाँ हैं।

किसी भी तरह से, यह कहा जाता है कि उस समय इस्राएल का नेतृत्व करने वाली डेबोरा ने डेबोरा की हथेली के नीचे दरबार लगाया। यह मूल रूप से सिर्फ यह कहना है कि वह वहाँ बैठी है, दरबार लगाना थोड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण है। उसने कादेश और नप्ताली से अबीनोअम के बेटे बाराक को बुलाया और कहा, यहोवा तुम्हें आज्ञा देता है, जाओ, अपने साथ 10,000 आदमी लेकर, ताबोर पर्वत पर जाओ, याबीन की सेना के सेनापति सीसरा को किशोन नदी पर फुसलाओ और उन्हें तुम्हारे हाथों में दे दो।

क्या आप जानते हैं कि ये सारी चीज़ें उस नक्शे पर फिट हो रही हैं? इस्राएल ने धर्मत्याग किया था, यह कोई नई बात नहीं है। हासोर का राजा याबीन, एक ऐसा नाम है जिसे आप जानना चाहते हैं। सीसरा उसका सेनापति है।

हमने अभी इसके बारे में पढ़ा है। छुड़ाने वाले डेबोराह हैं और डेबोराह, जो बाराक को आदेश देती है। अब, मैं एक सवाल के बीच में था।

मैंने खुद को बीच में रोका और पाठ पढ़ने चला गया क्योंकि मैं आपको यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि डेबोरा यहाँ मुख्य पात्र है। आपको क्यों लगता है कि इब्रानियों की पुस्तक में डेबोरा का उल्लेख नहीं है? क्या यह दिलचस्प नहीं है? मेरा मतलब है, वह वही है जो बाराक से कहती है, तुम जाओ वही करो जो प्रभु तुम्हें करने के लिए कहता है, और बाराक कहता है, ठीक है, नहीं, मैं तुम्हारे बिना नहीं जा रहा हूँ। और इसलिए वह जाती है, और फिर निश्चित रूप से, वह कहती है, लेकिन सीसरा से निपटने का सम्मान तुम्हारा नहीं होने वाला है, यह एक महिला का होने वाला है।

और बेशक, ऐसा ही होता है। याएल ही वह है जो उसके सिर में तंबू की खूँटी ठोकती है। तो इब्रानियों की किताब क्या कर रही है? यहाँ दो संभावनाएँ हैं।

एक बात यह है कि इब्रानियों की पुस्तक में, जो अंश मैंने आपको पढ़कर सुनाया है, उसमें लिखा है कि उनकी कमज़ोरियों के बावजूद, परमेश्वर ने उनका इस्तेमाल किया। खैर, हम बराक में एक कमज़ोरी देखते हैं, है न? यह उसकी हिम्मत की कमी है। और डेबोरा को उसे डांटना पड़ता है और वहाँ मौजूद रहना पड़ता है।

फिर, बेशक, उससे सम्मान छीन लिया जाता है, लेकिन फिर भी, वे सफलतापूर्वक विजयी होते हैं। शायद यही इसका एक हिस्सा है। हो सकता है कि इब्रानियों के लेखक इसे इस तरह से संरचित करना चाहते हों कि यह इंगित किया जा सके कि परमेश्वर ने अपनी संप्रभुता में, बराक और इन अन्य न्यायाधीशों का उपयोग किया, जिनकी कमज़ोरियों पर हम उनकी कमज़ोरियों के बावजूद भी विचार करने जा रहे हैं।

लेकिन हो सकता है कि कुछ और भी चल रहा हो, और मैं इसे यहाँ रखूँगा और फिर हम आगे बढ़ेंगे। यह इस बात का उदाहरण हो सकता है कि लेखक अपनी संस्कृतियों के प्रति कितने संवेदनशील हैं, इस मामले में कि वे नेतृत्व में महिलाओं के बारे में बात करने जा रहे हैं या नहीं। शायद।

शायद। क्योंकि पहली सदी की संस्कृति न्यायाधीशों के काल से कुछ अलग प्रतीत होती है। अब, उस कथन के पीछे बहुत कुछ है, और मुझे लगता है, हमें इसे समझने के लिए बहुत समय चाहिए।

लेकिन ऐसा लगता है कि शायद इब्रानियों के लेखक ने बराक का उल्लेख इसी कारण से किया है। पढ़ने वाले श्रोता नेतृत्व में एक महिला, संभवतः सुज़ाना के उल्लेख के बजाय एक पुरुष का उल्लेख अधिक पसंद करते। मुझे पता है कि इससे एक सवाल उठा, है न? हाँ, मैंने बस, इसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि नेतृत्व में एक महिला कौन थी।

संभवतः प्रिसिला का सुझाव दिया गया है। तो, यह चीजों को और अधिक जटिल बना रहा है। हाँ, हो सकता है, हो सकता है नहीं।

आप इसे दो तरीकों से चला सकते हैं। वह नेतृत्व में किसी अन्य महिला को उजागर नहीं करना चाहती। और अगर प्रिसिला इसे लिख रही है, तो वैसे, यह सुझाव हार्नेक नाम के एक व्यक्ति ने दिया था, जो एक दिलचस्प विद्वान था।

और यह निश्चित रूप से एक अल्पमत की राय होगी। लेकिन एक सुझाव यह है कि इब्रानियों को इसी कारण से गुमनाम रखा गया है कि शायद इसे किसी महिला ने लिखा हो। लेकिन यह अनुमान है।

और मेरा सुझाव भी पूरी तरह से अनुमान है। और जरूरी नहीं कि दोनों के बीच कोई मतभेद हो। ठीक है, अच्छा अवलोकन है।

और मैं डॉ. ग्रीन के इस उल्लेख की सराहना करता हूँ। और वैसे भी, हमें पाँचवें अध्याय में कविता पढ़नी होगी, जब यह याएल और उसके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बात करती है। क्योंकि यह शानदार कविता है, है न? सीसरा भी इसमें शामिल है।

यहाँ कविता का 25वाँ श्लोक है। उसने पानी माँगा, उसने उसे दूध दिया। कुलीनता के लिए एक बैल-लड़ाई में, उसने उसके लिए दही वाला दूध लाया, जो सबसे अच्छी चीज़ थी।

लेकिन, ज़ाहिर है, इससे उसे नींद आती है। आप में से जो लोग अनिद्रा से पीड़ित हैं, वे जानते होंगे कि दूध पीना या दही खाना वाकई आपकी मदद करता है, है न? वह अपनी चीज़ों को जानती है। उसका हाथ तम्बू की खूँटी की ओर बढ़ा, उसका दाहिना हाथ कामगार के हथौड़े की ओर बढ़ा।

उसने सीसरा पर वार किया, उसका सिर कुचल दिया, उसकी कनपटी को चकनाचूर कर दिया और उसमें छेद कर दिया। हिब्रू में ये शब्द बहुत कठोर हैं। मेरा मतलब है, अगर कभी ऐसा हुआ भी तो यह ओनोमेटोपोइक है।

सब कुछ कुचलने और चकनाचूर करने वाला था। उसके पैरों पर वह डूब गया, वह गिर गया। वहीं वह लेटा रहा, उसके पैरों पर वह डूब गया, वह गिर गया।

जहाँ वह डूबा, वहीं वह गिरा, मर गया। यह एक शक्तिशाली कविता है। और फिर यह सीसरा की माँ की कहानी पर जाती है जो सीसरा का इंतज़ार कर रही है, जो निश्चित रूप से कभी घर नहीं लौटने वाला है।

बहुत बढ़िया कविता। खैर, हमारे पास जेज़ेल घाटी में एक लड़ाई है। शानदार युद्ध स्थल।

जैसा कि हम पुराने नियम के इतिहास को देखते हैं, यिज़ेल घाटी यहाँ एक से अधिक बार होने जा रही है। यह एक क्लासिक युद्ध का मैदान है। वास्तव में, अगर हर मगिदो, जो आर्मिगिडन का आधार है, उस क्षेत्र को संदर्भित करता है, तो यह भविष्य में भी एक युद्ध का मैदान बनने जा रहा है।

किसी भी हालत में, यहीं से कहानी सामने आती है। जीत का जश्न कविता में मनाया जाता है। कविता न केवल सीसरा की मौत के लिए दिलचस्प है, बल्कि यह भी कहती है, आकाश से, सितारों ने लड़ाई लड़ी।

अपने मार्ग से वे सीसरा के विरुद्ध लड़े, जिससे यह संकेत मिलता है कि शायद, जब तक कि यह सब केवल प्रतीकात्मक कविता न हो, इस प्रक्रिया में कुछ अलौकिक शक्तियाँ शामिल हैं, जो इस्राएलियों की सहायता कर रही हैं। मैं इसे खारिज नहीं करना चाहता। किशोन नदी ने उन्हें बहा दिया, सदियों पुरानी नदी, किशोन नदी।

किशन नदी कुछ हद तक छोटी है, लेकिन यहाँ हमें ऐसा लगता है कि बाढ़ आ गई है जो इन लोगों को बहाकर समुद्र में बहा ले जा रही है, बुराई को बहा ले जा रही है और इसी तरह, अगर

आप प्रतीकात्मक रूप से सोचना चाहते हैं। किशन नदी का जिक्र हम तीन हफ्तों में करने जा रहे हैं, जिसमें से एक में फिर से दिखाई देगा। ठीक है, डेबोरा और बराक के बारे में इतना ही काफी है।

चलिए गिदोन की ओर बढ़ते हैं। फिर से, चलिए उसे मानचित्र पर लाते हैं। यहाँ गिदोन है, वह मनश्शे के गोत्र से है, इस क्षेत्र में रहता है।

इस बार जो लोग समस्या बन रहे हैं, वे पूर्व से आ रहे हैं, ठीक है? अर्ध-खानाबदोश प्रकार, झुंड और झुंड जो यहाँ इधर-उधर भटक रहे हैं, लेकिन लड़के, आप जानते हैं, वे उन सुंदर छोटे बरों को देखते हैं जो इज़राइल के पहाड़ी क्षेत्र में हैं, वह स्थान जहाँ अंगूर और जैतून और अंजीर और खजूर और यह सब अनाज है जिसके बारे में हम भूगोल के बारे में बात करते समय बात कर रहे थे। इसलिए वे अपना रास्ता बनाने जा रहे हैं, और यह एक बिंदु पर कहता है, यदि आप पाठ पढ़ते हैं, तो वे गाजा तक नीचे तक बह गए। तस्वीर समझ में आई? उन्हें टिड्डे के रूप में भी वर्णित किया गया है।

वे बहुत घने हैं, और वे पूरे देश में टिड्डियों की तरह हैं। और मैं एक अंश पढ़ने जा रहा हूँ और फिर एक पल में कुछ देखूँगा। इसलिए वे यहाँ हर जगह आ रहे हैं, जीवन को दुखी बना रहे हैं।

जब गिदोन उनसे भिड़ता है, तो आखिरकार, फिर से, हमारे पास कुछ भूगोल है जिसे हम नोट करना चाहते हैं। हेरोदेस का झरना यहीं है। यह एक पर्वत श्रृंखला, माउंट गिलबोआ के तल पर है।

और मिद्यानियों और अमालेकियों की ये भीड़ मोरेह पर्वत पर डेरा डाले हुए हैं। तो, यह फिर से यिज़्रेल घाटी के करीब है। यहाँ हमारी यिज़्रेल घाटी है।

यहाँ यिज़्रेल घाटी का तीर का तीर है। इसे हेरोदेस घाटी कहा जाता है। और यहीं पर यह विशेष युद्ध होने वाला है।

अब, मैं बस एक तस्वीर देखूँगा। यह स्पष्ट रूप से एक वाइन प्रेस है। यह इस तरह काम करता है।

यह एक छोटा सा पत्थर है। यह पहाड़ी इलाके में है। इसे आधारशिला से तराश कर बनाया गया है।

अपने अंगूर और अन्य सामान यहाँ रखें, उन पर रौंदें, उन्हें कुचलें। रस उसमें से बहता है और उस छोटे से बर्तन में इकट्ठा हो जाता है। मैं आपको वाइन प्रेस क्यों दिखा रहा हूँ? अध्याय छह में पाठ क्या कहता है? इस्राएली इन लोगों से इतने परेशान थे कि वे टिड्डियों के झुंड की तरह थे जो देश भर में आ रहे थे कि गिदोन इस छोटी सी स्थापना में अपने अनाज को वाइन प्रेस में कुचल रहा है।

यह शायद, ओह, तीन फीट चौड़ा है। वे आम तौर पर अनाज कैसे करते हैं? क्या आपने मध्य पूर्व, बेडौइन और अन्य जगहों पर ये फिल्में देखी हैं? वे अनाज कैसे करते हैं? आगे बढ़ो, बेक्का। वैसे, वे इसे पत्थरों में पीसते हैं, लेकिन वे भूसी से कैसे छुटकारा पाते हैं? आपके पास यह सारा अनाज सामान है जो आप ला रहे हैं।

आप इसे पहाड़ी की चोटी पर ले जाते हैं, ठीक है? और वहाँ एक पूरी चीज़ है जिसे थ्रेसिंग फ़्लोर कहा जाता है। वास्तव में, जब आप रूथ की किताब पढ़ते हैं, तो थ्रेसिंग फ़्लोर वहाँ दिखाई देता है। आपके पास वहाँ सारा अनाज है।

आपके पास शायद बैल होंगे जो उस पर चल रहे होंगे। आपके पास एक स्लेज है, एक थ्रेसिंग स्लेज, जिसकी तस्वीर हम वास्तव में कुछ हफ़्तों में देखने जा रहे हैं। और आप अनाज से उन छिलकों को तोड़ते हैं, और फिर आप इनमें से एक विनोइंग फ़ोर्क लेते हैं।

क्या आपको इसकी तस्वीरें कहीं याद हैं? मुझे भी इसकी तस्वीरें लानी चाहिए थीं। आप इसे हवा में उछालते हैं। और हवा, क्योंकि आप पहाड़ी की चोटी पर हैं, हवाएँ वहीं से आती हैं।

और हवा उस भूसी को उड़ा देती है। इसमें कई तरह के दिलचस्प आध्यात्मिक सबक छिपे हुए हैं। भूसी को उड़ा देती है और अच्छा अनाज ज़मीन पर गिर जाता है।

अब, ज़ाहिर है, अगर आप पहाड़ी की चोटी पर ऐसा कर रहे हैं और आपके दुश्मन आपके चारों ओर हैं, तो वे क्या देखते हैं? ओह, अच्छा, आसान अनाज। यही कारण है कि गिदोन उस सार्वजनिक स्थान पर ऐसा नहीं कर रहा है जहाँ आप आम तौर पर अनाज की कटाई करते हैं। यह चोरी हो जाएगा।

तो, वह क्या करने जा रहा है? वह यहाँ अपनी छोटी सी वाइन प्रेस में काम कर रहा है ताकि कम से कम उनके पास जीने के लिए पर्याप्त हो। और फिर आप सही कह रहे हैं, उसके बाद, वे इसे पीसने वाले पत्थरों पर ले जाएँगे और इसे किसी तरह के आटे में बदल देंगे जिससे वे काम कर सकें। खैर, इसे ध्यान में रखते हुए, आइए गिदोन के बारे में एक त्वरित जानकारी लेते हैं।

अध्याय छह। इस्राएल ने यहोवा की नज़र में बुरा किया। मिद्यानियों ने विजय प्राप्त की।

श्लोक चार ने गाजा तक की सारी फसलें बर्बाद कर दीं। यह बहुत भयानक है। श्लोक 11, जिसके बारे में मैं अभी आपको बता रहा था।

गिदोन मिद्यानियों से गेहूँ को बचाने के लिए उसे दाखरस के कुण्ड में कूट रहा था। छुड़ाने वाला खुद गिदोन है, जो मनश्शे का गोत्र है। वह कहता है, ओह, मैं यह कैसे कर सकता हूँ? मैं तो इतनी छोटी सी जनजाति से हूँ।

और प्रभु कहते हैं, या प्रभु का दूत कहता है, मूल रूप से तुम ही हो। गिदोन थोड़ा संशयी है और हम शायद कह सकते हैं कि गिदोन की कमज़ोरियों में से पहली कमज़ोरी शायद उसकी अनिश्चितता है। शायद उसका संदेह।

मैं यह सुझाव देने जा रहा हूँ कि यह उसकी बड़ी कमजोरी नहीं है। और यह काफी दिलचस्प है, जिसे प्रभु बहुत ही कृपापूर्वक पूरा करते हैं क्योंकि वे गिदोन को लगातार संकेत देते रहते हैं। सबसे पहले, गिदोन भेंट लाता है।

प्रभु का दूत उसे छूता है, और वह आग की लपटों में घिर जाता है। यह एक बहुत ही नाटकीय संकेत है। लेकिन फिर गिदोन कहता है, ठीक है, तुम जानते हो कि अगर यह वास्तव में इस तरह से होना चाहिए, तो क्या होगा अगर मैं जो ऊन बाहर रखता हूँ वह गीला हो? और बाकी सब सूखा हो? वोइला, ऐसा होता है।

इसके विपरीत क्या होगा? ऊन को सूखा रखना और आस-पास की हर चीज़ को गीला रखना कैसा रहेगा? भगवान ऐसा करते हैं। और फिर भगवान उसे अपनी सेना में कटौती करने के लिए कहते हैं, जो कि उनके पास मौजूद लोगों की संख्या को घटाकर कितने कर देती है? 32,000 से शुरू करके 300, ठीक है। और उस समय, गिदोन को अभी भी एक संकेत की आवश्यकता है और भगवान उसे एक सपना देता है।

क्षमा करें, यह सच नहीं है। वह जाकर एक स्वप्न सुनता है कि कुछ शत्रुओं ने जौ की रोटी के साथ एक तम्बू को गिराते हुए स्वप्न देखा है। और उसका अर्थ भी उसे बताया जाता है।

ओह, यह गिदोन है। और इसलिए, उसे हर कदम पर कुछ पुष्टि मिली है कि परमेश्वर, वास्तव में, इस उद्धार को लाने के लिए उसका उपयोग करने जा रहा है। खैर, आइए देखें कि यहाँ और क्या होता है।

हम वास्तव में जीत गए हैं। और वैसे, आप जानते हैं, गिदोन हमेशा से ही बेल पूजा का विरोध करता रहा है जिसमें लोग शामिल हो गए थे, क्योंकि वह वेदियों और अशेरा खंभों को काट रहा है, और यह बहुत महत्वपूर्ण है। गिदोन इन लोगों को हरा देता है।

ध्यान दें कि वह यह कैसे करता है। मुझे उम्मीद है कि आप अपनी कल्पना का सावधानी से इस्तेमाल कर रहे होंगे। एक हाथ में क्या है? 300 लोग, है न? एक हाथ में क्या है? उनमें रोशनी वाले जार।

दूसरे में क्या है? मैंने सुना। तुरही। उनकी तलवार कहाँ है? यहाँ नीचे।

वे विश्वास में जा रहे हैं क्योंकि वे तुरही बजाना और बर्तन तोड़ना शुरू कर देते हैं, और दुश्मन एक दूसरे को मारना शुरू कर देते हैं। यह इसी तरह काम करता है। लेकिन परमेश्वर स्पष्ट रूप से उनसे मांग कर रहा है कि वे गिदोन द्वारा बताए गए कामों के अनुसार विश्वास में काम करें, और वे ऐसा करते हैं।

और फिर भगवान विजयी होते हैं क्योंकि वह दुश्मनों की इस भीड़ को पूरी तरह से परास्त कर देते हैं। अब, इसके परिणामस्वरूप क्या तनाव पैदा होता है? खैर, हम कुछ बहुत ही दुखद संकेत

देखते हैं कि जनजातियाँ यहाँ एक साथ नहीं हैं क्योंकि वे घाटी को पार करने की कोशिश कर रहे हैं, उदाहरण के लिए, जॉर्डन नदी। जॉर्डन के दूसरी तरफ चले जाओ।

सुकोट के लोग उनकी मदद करने से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। और इसलिए हमारे पास कुछ तनाव हैं जो अध्याय 12 में और भी बदतर होने जा रहे हैं। वैसे, यह अध्याय आठ में है, इसके बीच में।

गिदोन की दूसरी कमजोरी क्या है? मैंने बताया कि संदेह हो सकता है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि संदेह एक कमजोरी है। हम सभी समय-समय पर इससे पीड़ित होते हैं। और जैसा कि मैंने कहा, भगवान ने गिदोन में इस कमी को पूरा किया।

लेकिन गिदोन की असली कमजोरी क्या है जो इस कहानी के अंत में सामने आती है? वह क्या करता है? वे कहते हैं, कृपया हमारे राजा बनो। और वह कहता है, मैं राजा बनने के बारे में सोच भी नहीं सकता। कोई मौका नहीं।

लेकिन ध्यान दें कि उसने अपनी उपपत्नी के बेटे का नाम अबीमेलोक रखा है। अबीमेलोक का क्या मतलब है? मेरे पिता राजा हैं। क्या यह दिलचस्प नहीं है? नाम का कुछ मतलब होता है, आप जानते हैं।

और उसे उपपत्नी का बेटा कहा गया है, मेरे पिता राजा हैं। और वैसे, अगर आप अध्याय नौ पढ़ते हैं, और मुझे उम्मीद है कि आप इसे पढ़ेंगे क्योंकि हमारे पास इससे निपटने का समय नहीं है, अबीमेलोक वास्तव में एक भयानक व्यक्ति है। और इसके परिणामस्वरूप कुछ भयानक चीज़ें होती हैं।

और क्या होता है? बस यही एक बात है। वह और क्या करता है? ओह, मैं तुम्हारा राजा नहीं बनूँगा। लेकिन तुम जानते हो क्या? तुम मुझे ये सारी अच्छी छोटी चीज़ें क्यों नहीं देते जो तुम्हें मिद्यानियों से मिली थीं? लूट का माल।

और मैं उन्हें एक एपोद बना दूँगा। और लोग एपोद के साथ क्या करते हैं? वे इसकी पूजा करते हैं। और इसलिए, यह कहा जाता है कि यह उनके लिए एक फंदा बन गया, है न? अध्याय आठ का अंत।

यह कहाँ लिखा है? गिदोन ने सोने को, मैं श्लोक 27 में हूँ, एक एपोद में बदल दिया। सभी इस्राएलियों ने वहाँ इसकी पूजा करके वेश्यावृत्ति की, और यह गिदोन और उसके परिवार के लिए एक फंदा बन गया। तो, मैं सुझाव देता हूँ, यह उसकी कमजोरी है।

यह अभिमान उसे कुछ तरीकों से एपोद के साथ खुद को जोड़ने के लिए मजबूर करता है। एपोद के पास जो कथित शक्तियाँ थीं, उन्हें याद करें। यह आखिरी बार नहीं है जब हम उन्हें देखने जा रहे हैं।

ठीक है, अब गिदोन के बारे में इतना ही काफी है। यिप्तह। अब, हम जॉर्डन नदी पार करने जा रहे हैं।

यिप्तह यहीं पर होगा। इसमें लिखा है कि वह गिलाद से है, और यह जॉर्डन नदी के पूर्व में इस क्षेत्र का पूरा क्षेत्र है। यिप्तह गिलाद का निवासी है।

उसने अम्मोनियों के साथ एक सौदा किया है, और आप उन्हें नक्शे के किनारे पर देख सकते हैं। तो, सब कुछ जॉर्डन के पूर्वी किनारे पर सामने आ रहा है। ढाई जनजातियाँ जो वहाँ बस गईं, गाद, रूबेन, और मनश्शे की आधी जनजाति, वहाँ हैं।

ठीक है, अब, मैंने तुम्हें यह क्यों दिखाया है? मेरे पास इस पर कोई लेबल भी नहीं है। यह पत्थरों का एक समूह है, है न? पत्थरों को क्रम से। क्या मैंने तुम्हें कभी अपनी कहानी सुनाई है जब मैं अपनी बहन को इजरायल में पुरातत्व दौरे पर ले गया था? वह एक अद्भुत संगीतकार है।

लेकिन जब हम अपनी 16वीं साइट पर पहुँचे, तो उसने कार से उतरते हुए कहा, पत्थर, बस और पत्थर। तो, मुझे पता था कि हमने कुछ गलत किया है। किसी भी हालत में, यहाँ पत्थर हैं।

यह चार कमरों वाला घर है। यह इस खास समय अवधि का एक क्लासिक इज़राइली चार कमरों वाला घर है। और दिलचस्प बात यह है कि आप यहाँ एक लंबा कमरा देख सकते हैं, जिसका इस्तेमाल शायद यहाँ भंडारण के लिए किया जाता था।

यहाँ दो, तीन, चार प्रवेश द्वार हैं, यहाँ एक तरह का कोर्ट एरिया है। चार कमरों वाले घरों में, जिनमें से कई में दूसरी मंजिलें भी थीं, जानवरों को अक्सर पहली मंजिल, ग्राउंड फ्लोर पर रखा जाता था। और वैसे, यह बेवकूफी नहीं है।

सर्दियों के मौसम में जब ठंड बढ़ जाती है, बरसात के मौसम में, अगर जानवर नीचे रहते हैं, तो यह गर्मी का स्रोत प्रदान करता है। अब, हमें लगता है, यह बदबूदार है, लेकिन वे इन चीजों से उतना परेशान नहीं होते। लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

जेफ्था की कहानी में पहली मंजिल पर रहने वाले जानवरों के बारे में सोचना क्यों महत्वपूर्ण है? यह क्यों महत्वपूर्ण है? इसका स्पष्ट उत्तर क्या है? जेफ्था क्या कहता है? केटी? ठीक है, जेफ्था कहता है, एक प्रतिज्ञा करता है। हे प्रभु, यदि आप मुझे अम्मोनियों पर विजय दिलाएंगे, तो घर से जो भी पहली चीज निकलेगी, मैं उसे होमबलि के रूप में आपके सामने पेश करूँगा। खैर, वह क्या उम्मीद कर रहा है? वह एक जानवर के बाहर आने की उम्मीद कर रहा है क्योंकि वे उसी तरह से थे।

लेकिन ज़ाहिर है, क्या निकलता है? कौन निकलता है? उसकी इकलौती बेटी, हाँ। और हम इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे, लेकिन इससे हमें इसे थोड़ा बेहतर समझने में मदद मिलेगी। किसी भी दर पर, यिप्तह, गंभीर, गंभीर, गंभीर धर्मत्याग।

मैं इसे आपके लिए पढ़कर सुनाता हूँ, क्योंकि यह बहुत ही भयानक है। वे बाल, अशतोरेत, अराम के देवता, सीदोन के देवता, मोआब के देवता, अम्मोनियों के देवता और पलिशतियों के देवताओं की पूजा करते थे। पूरी तरह से यह सब मौजूद है, और इस्राएलियों ने परमेश्वर को पूरी तरह से त्याग दिया है, और इन सभी की पूजा की है।

पलिशती और अम्मोनी अत्याचार कर रहे हैं, लेकिन अम्मोनियों से निपटना यिप्तह का काम है, और इसलिए हम मुक्ति को यहीं होते हुए देखते हैं। उसे बुलाया गया है, दिलचस्प बात यह है कि वह शुरू में आपका सबसे अच्छा चरित्र नहीं है, क्योंकि वह भी एक उपपत्नी का बेटा है, और उसके भाइयों ने उसे परिवार से निकाल दिया है। और फिर भी, जब हालात मुश्किल हो जाते हैं, तो वे उसे पकड़ लेते हैं और कहते हैं, हम वास्तव में चाहते हैं कि आप हमारी मदद करें।

युद्ध में जाने के लिए नियमों का पालन करने के मामले में यिप्तह वही करता है जो उसे करना चाहिए। मैं इसे नहीं पढ़ूंगा, लेकिन अध्याय 11 हमें उस पत्र का पाठ देता है जिसे वह अम्मोनियों से बातचीत करने के लिए भेजता है। इसका एक हिस्सा, निश्चित रूप से, यह है कि हम यहां 300 वर्षों से रह रहे हैं, जो हमें पलायन की कुछ तिथियों के संदर्भ में थोड़ा संकेत देता है।

लेकिन अब हमारा मुद्दा यह है कि वह बातचीत करने की कोशिश करता है, लेकिन वह काम नहीं करता, इसलिए श्लोक 29, अध्याय 11, यहोवा की आत्मा यिप्तह पर आई, गिलाद को पार किया, मनश्शे, गिलाद के मित्ज़वाह से गुज़रा, एक प्रतिज्ञा की, जिसका मैंने अभी आपको उल्लेख किया है, जो भी मेरे घर के दरवाज़े से बाहर आएगा, जब मैं वापस आऊँगा, तो मैं उसे होमबलि के रूप में चढ़ाऊँगा। वह विजयी होकर वापस आता है, और उसकी बेटी बाहर आती है। उसने अपने कपड़े फाड़े और कहा, हे मेरी बेटी, तुमने मुझे दुखी और दुखी कर दिया है क्योंकि मैंने यहोवा से एक प्रतिज्ञा की है जिसे मैं नहीं तोड़ सकता।

अब, एक बड़ा सवाल है: क्या वह अपनी प्रतिज्ञा पूरी करता है? कुछ लोग कहते हैं कि नहीं, क्योंकि वे कहेंगे, ठीक है, वह जाकर रोना चाहती है क्योंकि वह कभी शादी नहीं करेगी और दो महीने पहाड़ियों में रोती रही। और इसलिए, वे कहते हैं, होमबलि चढ़ाने के बारे में यह पूरा मामला, यिप्तह ने ऐसा नहीं किया। यह सिर्फ इसलिए था कि उसे बचाया गया था या कभी शादी करने से रोका गया था।

वह कुंवारी ही रही। और पाठ में आगे कहा गया है कि वह कुंवारी थी। लेकिन मैं आपको सुझाव दूंगा कि यिप्तह ने, शायद अंधविश्वास के कारण, अपनी प्रतिज्ञा को निभाने का इरादा किया क्योंकि शायद उसे प्रतिज्ञा निभाने का महत्व पता था।

आखिरकार, संख्या 30 में कहा गया है कि यह महत्वपूर्ण है। वह अपनी बेटी की जान लेने तक जा रहा है क्योंकि यह पाठ में कहा गया है, और उसने उसके साथ वैसा ही किया जैसा उसने प्रतिज्ञा की थी, जो फिर इस पूरी तस्वीर में मानव बलि के बदसूरत भूत को उठाता है, जिसे उनके आस-पास की कुछ संस्कृतियों ने भी आकार दिया होगा। अगर हमारे पास ये सभी भयानक चीज़ें चल रही हैं, जिन्हें हम शिशुहत्या के संदर्भ में 2 राजाओं को पढ़ते समय जानने जा रहे हैं, तो शायद आस-पास की संस्कृति ने उसकी सोच को टोरा से ज़्यादा आकार दिया है।

बस एक सुझाव। खैर, यहाँ फिर से, जैसा कि मैंने पहले कहा, हमारे बीच अंतर-जनजातीय युद्ध हुआ। यहाँ यह पूरी गंभीरता से शुरू होता है।

एप्रैमियों ने मनश्शेइयों के विरुद्ध युद्ध किया। ध्यान दें कि वे यूसुफ के पुत्र हैं, ठीक है? तो यहाँ कुछ विशेष टकराव है। लेकिन हमें सैमसन और हमारे नक्शे पर फिर से आगे बढ़ना होगा।

ठीक है, यहाँ उत्तर की ओर पहली दो घटनाएँ। यहाँ यिप्तह है। अब सैमसन पलिशितियों से लड़ने जा रहा है।

तो, यहाँ हमारा सैमसन स्थान है। मुझे इस संबंध में कुछ अवलोकन करने दें। सैमसन दान की जनजाति से है, और जैसा कि आपने पिछली बार सीखा था, दान को मूल रूप से अपनी विरासत यहीं से मिलती है। लगभग दो मिनट में, हम बात करने जा रहे हैं - ठीक है, पाँच मिनट में, हम उत्तर की ओर ट्रेकिंग करने वाले दान जनजाति के हिस्से के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन अभी नहीं।

वे यहाँ नीचे हैं। सैमसन की एक बहुत ही दिलचस्प कमजोरी है, और इसका एक हिस्सा यह है कि वह महानगरीय संस्कृति का लालच करता है क्योंकि यह महिलाओं में लिपटा हुआ है। सैमसन हमेशा फिलिस्तीन संस्कृति की ओर जाता है, जो अधिक उन्नत है।

यह बोस्टन जाने या न्यूयॉर्क जाने जैसा है क्योंकि आप अपना अच्छा, सुरक्षित, सुरक्षित छोटा घर छोड़ देते हैं, और आप बड़े शहर जाना चाहते हैं। यह सैमसन बार-बार और बार-बार होता है। आप इसे शुरू से ही देख सकते हैं।

भले ही उसे नाज़ीर के रूप में पाला गया हो, लेकिन वह अपनी नाज़ीर की शपथ तोड़ता है, और वह निश्चित रूप से बार-बार महिलाओं की चालों में फंस जाता है। इसलिए, जब वह तिम्ना की ओर जाता है, तो ध्यान दें कि यह ज़ोरा और एशताओल से बहुत दूर नहीं है, यहीं से वह शुरू होता है, लेकिन यह फिलिस्तीन का इलाका है। इसलिए, वह शुरू से ही उस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वह किसी समय अशकलोन में उतरेगा, और फिर अंततः गाजा में भी। दूसरी बात जो मैं आपको मानचित्र के संदर्भ में बताना चाहता हूँ, वह है गाजा में सैमसन की रात के बारे में एक दिलचस्प कहानी। वह हमेशा की तरह एक वेश्या के साथ है, और वे उसे पकड़ने आ रहे हैं।

वह क्या करता है? वह गेट और गेट के खंभों को लेता है, उन्हें उनकी सेटिंग से बाहर निकालता है, और उन्हें अपने कंधों पर उठाकर हेब्रोन तक ले जाता है। मेरा विश्वास करो, यह एक समतल चढ़ाई नहीं है। वैसे भी, आप समतल चढ़ाई नहीं कर सकते। यह आसान चढ़ाई नहीं है, यह समतल ज़मीन नहीं है।

वह समुद्र तल से लगभग 2,600 फीट ऊपर तक जा रहा है क्योंकि वह इन चीजों को ऊपर खींच रहा है। तो, पवित्र आत्मा की शक्ति और उसकी नाज़ीर प्रतिज्ञा के द्वारा उसके पास जो शक्ति थी

उसका एक और संकेत। नाज़ीर प्रतिज्ञाएँ याद हैं? मुझे पता है कि उसने उन्हें बहुत तेज़ी से किया था, लेकिन नाज़ीर प्रतिज्ञा का उद्देश्य किसी व्यक्ति को उन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अलग करना था जो परमेश्वर ने उनके लिए निर्धारित किए थे।

और सैमसन एक नाज़ीर है, भले ही वह एक विद्रोही नाज़ीर है, परमेश्वर के पास सैमसन के लिए काम थे, और इसलिए वह एक नाज़ीर न्यायाधीश है। खैर, कथा। अध्याय 13 से शुरू करते हुए, प्रभु की नज़र में बुरा, वह उसे पलिशतियों के हाथों में सौंप देता है।

वैसे, अध्याय 13 कई कारणों से दिलचस्प है, जिसमें प्रभु के दूत का सैमसन की माँ, मानोह की पत्नी के सामने प्रकट होना शामिल है। और मैं चाहता हूँ कि हमारे पास इस पर चर्चा करने का समय हो, लेकिन मैं इसके साथ एक बात और कहना चाहूँगा। आप जानते हैं, प्रभु का दूत उसे बताता है कि उसे क्या करना चाहिए।

उसका पति, मानोह, इतना संशयी हो जाता है कि वह वहाँ वापस जाता है और उस बात को फिर से पूछना चाहता है, और इसलिए प्रभु का दूत उन्हें बताता है कि क्या करना है। और फिर शिमशोन के पिता पूछते हैं, तुम्हारा नाम क्या है? इसका उत्तर अध्याय 13 की आयत 18 है। तुम मेरा नाम क्यों पूछ रहे हो? यह समझ से परे है।

समझ से परे की दुनिया अद्भुत है। यह अद्भुत है। यह वही शब्द है जो यशायाह के अध्याय नौ, श्लोक छह में दिखाई देता है, जिसे आप जानते हैं।

हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है, हमें एक बेटा दिया गया है, और उसका नाम अद्भुत रखा जाएगा। दिलचस्प है, यहाँ भी वही शब्द है। तो, हमें कुछ छोटे संकेत मिल रहे हैं कि यह कौन है।

किसी भी हालत में, हम सैमसन और उसकी कमज़ोरियों के बारे में बात करते हैं, साथ ही पलिशती महिलाओं के बारे में भी। वह तिम्राह में जाता है। वह एक पलिशती महिला को देखता है।

वह उसे चाहता है। वह अपने माता-पिता से उसे लाने के लिए कहता है। पद्य चार, कोष्ठक।

उसके माता-पिता को नहीं पता था कि यह प्रभु की ओर से था, जो पलिशतियों से भिड़ने का अवसर तलाश रहा था। खैर, वह कहानी सामने आती है, और फिर जैसा कि आप जानते हैं, वह जाता है, और बार-बार, वैसे, क्या मैं यह कह रहा हूँ? हाँ, प्रतिशोध की भावना। यह केवल महिलाओं के लिए ही नहीं है, बल्कि हमेशा बदला लेने का उसका इरादा है।

वह तिम्राह के लोगों से बदला लेता है जो उसे धोखा देते हैं क्योंकि वे उसकी पत्नी से यह पता लगा लेते हैं कि यह पहली क्या है। वह अपने जीवन के अंत में मंदिर के खंभों को गिराकर पलिशतियों से बदला लेता है, और जब वह उन खंभों पर अपने हाथों को धकेल रहा होता है तो वह क्या कहता है? वह क्या कहता है? मेरी आँखों के लिए, हे प्रभु, मुझे यह आखिरी ताकत दे, और वह इसे नीचे धकेल देता है, और ये सभी पलिशती मर जाते हैं। सैमसन को परमेश्वर द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

इन कहानियों में भगवान द्वारा उन कमज़ोरियों का इस्तेमाल किया जाता है, और फिर से, कहानियों के विवरण को जानें। वे आपके लिए महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। इसलिए, चरित्र दोषों के बावजूद जीत की एक श्रृंखला, और हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

हम देखेंगे कि अगले 10 मिनट में हम क्या कर सकते हैं। मैं थोड़ा ब्रेक लेने जा रहा हूँ। यह आमतौर पर पहले व्याख्यान का अंत होता है, और मैं अलविदा कहता हूँ, एक शानदार स्प्रिंग ब्रेक का आनंद लें, लेकिन क्या पता? अब हमें अगले व्याख्यान का परिचय देना है, और यहाँ मैं न्यायियों की पुस्तक की विषयगत व्यवस्था के बारे में थोड़ा सोचना चाहता हूँ क्योंकि जैसा कि मैंने पहले सुझाया था, अध्याय 17 से 21 संभवतः ऐसी घटनाएँ हैं जो कालानुक्रमिक रूप से पहले की हैं।

यही तो मुख्य बात है। वे संभवतः कालानुक्रमिक रूप से पहले के हैं, और मैंने कुछ कारण बताए हैं कि ऐसा क्यों होने की संभावना है। मैं इन अंशों को पढ़ने नहीं जा रहा हूँ, लेकिन वापस जाकर उनका थोड़ा सा पुनरावलोकन करूँगा।

दो लोगों का उल्लेख किया गया है। संभवतः मूसा के पोते, यहाँ एक पाठ्य समस्या है, लेकिन ऐसा लगता है कि अध्याय 18 के अंत में हमें संकेत मिलता है कि यह सब सामान दान तक जा रहा है। मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताने जा रहा हूँ।

एक व्यक्ति का उल्लेख किया गया है जो किसी का बेटा है, मूसा का बेटा। ऐसा लगता है कि यह संभवतः न्यायियों के काल के आरंभ में है, न कि 300 साल बाद, जब तक कि हम केवल वंशज शब्द का उपयोग न करें। इसी तरह, हमने हारून के बेटे का उल्लेख किया है।

तो, फिर से, ऐसा लगता है कि ये घटनाएँ न्यायियों के इस काल के आरंभ में हुई थीं। महाने-दान, अध्याय 18, उस स्थान के नामकरण के बारे में बात करता है, और फिर भी जब आप सैमसन के बारे में जो हमने अभी पढ़ा है, उसे पढ़ते हैं, सैमसन, कथा महाने-दान में सामने आती है, जिसका नाम पहले से ही है, भले ही इसका नाम अध्याय 18 में मिलता है। तो एक सुझाव है कि अध्याय 18 पहले का है।

और फिर अंत में, जैसा कि हमने अभी देखा, पलिशती लोग सैमसन के मुख्य शत्रु हैं, और यह 1 शमूएल में भी जारी रहेगा। इसलिए, इन कारणों से, सुझाव है कि अध्याय 17, 18, 19, 20 और 21 में पहले की घटनाओं का वर्णन किया गया है। मुख्य बात यह है कि इन अध्यायों में कुछ ऐसा देखा जाए जो आने वाली घटनाओं के लिए मंच तैयार कर रहा हो।

और 1 शमूएल में क्या होने वाला है? खैर, राजा होने का परिवर्तन। और कौन सी जनजातियाँ महत्वपूर्ण हैं? यह यहूदा और बिन्यामीन होने जा रही हैं। यहूदा, दाऊद की जनजाति।

बेंजामिन, बेंजामिन से कौन है? पहला राजा, S, AUL से शुरू होता है। ठीक है, हाँ, शाऊल यहाँ असली पहला राजा है, और वह बेंजामिन के गोत्र से है। कोई संयोग नहीं कि इस समय ये हार्ड प्रोफाइल हो रहे हैं।

और फिर, बेशक, एप्रैम भी वहाँ ऊपर है क्योंकि एप्रैम एक महत्वपूर्ण जनजाति होने जा रहा है क्योंकि हम आगे की घटनाओं को देखेंगे। संभवतः उत्तरी राज्य में सबसे महत्वपूर्ण जनजाति। तो, महत्वपूर्ण जनजातियाँ।

मैंने पहले ही इसका उल्लेख किया है, और यह इस अंतिम खंड में मुख्य विषय है। और यह वह धक्का है जो कहता है, इन लोगों को एक राजा की आवश्यकता है। इसलिए, यह मंच तैयार कर रहा है।

कोई नैतिक नेतृत्व नहीं। उन अंशों में बार-बार यही कहा गया है। मूर्तिपूजा बंद से बंदतर और बंदतर और बंदतर होती जा रही है।

मेरे पसंदीदा शब्दों में से एक है घोर। अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो इसके स्थान पर कुछ और इस्तेमाल करें। आप यहाँ यह भी देख सकते हैं कि लेवियों का चरित्र, दिलचस्प रूप से, बहुत बढ़िया नहीं है।

वास्तव में, अध्याय 19 में वर्णित कथा एक घिनौना मामला है। और उस कथा में लेवी एक प्रमुख पात्र है। इसलिए, हम लेवियों में भी कुछ कमज़ोरियाँ देखते हैं।

ठीक है, हम कैसे कर रहे हैं? रेसिंग? अध्याय 17 से 21 तक की घटनाएँ। खैर, अध्याय 17 दिलचस्प है, और मैंने इसे आध्यात्मिक निरक्षरता कहा है, जो निश्चित रूप से दो चीजों को एक साथ रखना है जो वास्तव में बहुत अच्छी तरह से फिट नहीं होती हैं। लेकिन, मुझे इसे आप पर आजमाने दें।

मीका नाम का एक आदमी, वह पैसे चुराता है। उसकी माँ उस व्यक्ति को शाप देती है जिसने पैसे चुराए हैं। वह डरा हुआ है क्योंकि वह आशीर्वाद और शाप के प्रभाव को जानता है।

और इसलिए वह कहता है, अरे, तुम जानते हो, मैंने वह पैसा ले लिया। और वह कहती है, भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें, क्योंकि वह अब अभिशाप के प्रभाव का मुकाबला करने की कोशिश कर रही है, है न? और इसलिए वह इसे वापस कर देता है, और वह कहती है, मैं भगवान को एक नक्काशीदार छवि और एक मूर्ति बनाने के लिए अपनी चांदी देने जा रही हूँ। भगवान के लिए, एक नक्काशीदार छवि बनाना वास्तव में सबसे अच्छी बात नहीं है।

तो वे ऐसा करते हैं, वह एक मंदिर बनाता है। यह एक बेत एलोहिम है, भगवान का घर। यह श्लोक पाँच है।

एपोद की मूर्तियाँ उसके बेटे के पुजारी में से एक बनाती हैं। यहाँ कुछ वास्तविक समस्याएँ हैं। क्या आप उन्हें पकड़ते हैं? कुछ वास्तविक समस्याएँ हैं।

लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है: अध्याय के अंत में, जब वह अपने बेटे को पुजारी पद से हटा देता है और एक घुमंतू लेवी को पुजारी बना देता है, जो बस वहाँ से गुज़रता है, तब वह कहता है, अब मैं जानता हूँ कि प्रभु मेरे साथ अच्छा व्यवहार करेगा क्योंकि यह लेवी मेरा पुजारी बन गया

है। क्या आप देखते हैं कि उसे परमेश्वर की अपेक्षाओं के बारे में बहुत सतही समझ है? कुछ हद तक हमारी तरह। आज चर्च में ज़्यादातर लोगों को परमेश्वर के वचन के बारे में बहुत सतही समझ है।

और अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो बस बाहर जाइए और चारों ओर पूछना शुरू कर दीजिए। और हम सभी इसके लिए दोषी हैं। और इससे भयानक समस्याएं पैदा होती हैं।

हम इस कथा के बाकी हिस्सों में इन भयानक समस्याओं को सामने आते हुए देखते हैं। किसी भी स्थिति में, दान के गोत्र का एक हिस्सा यह निर्णय लेता है कि वे एक ओर पलिशितियों और दूसरी ओर यहूदा के गोत्र द्वारा परेशान किए जाने से थक चुके हैं। वे उत्तर की ओर जाने का निर्णय लेते हैं।

और जैसा कि आप जानते हैं, वे लोगों को उत्तर की ओर देखने के लिए भेजते हैं। और उन्हें क्या मिलता है? उन्हें पानी, भरपूर विकास और सभी प्रकार की सुंदर, अद्भुत चीजें मिलती हैं। इसलिए वे वहाँ चले जाते हैं।

और मैं सुझाव दूंगा कि जनजाति का केवल एक हिस्सा ही आगे बढ़े। बाकी हिस्सा नीचे ही रहे। और सैमसन का हिस्सा जनजाति का वह हिस्सा है जो दान के स्थान पर रहा।

जब वे वहाँ आगे बढ़ते हैं, तो वे मीका के घर के पास रुकते हैं, उसके मंदिर को हड़प लेते हैं, उसके लेवी को हड़प लेते हैं, और पूरी चीज़ को ऊपर ले जाकर दान में स्थापित कर देते हैं। और अध्याय 18 के अंत में हमें इसके बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया है कि निर्वासन के समय तक वे वहाँ पूजा करते थे।

अब इसे ध्यान में रखें, क्योंकि डैन फिर से सामने आने वाला है। इसलिए इसे अपने दिमाग से निकाल दें। डैन, झूठी उपासना के स्थान के रूप में, फिर से सामने आने वाला है।

तो यह कदम उन दुखद महत्वों में से एक है। अध्याय 19 में, एक और भयानक घटना है। लेवी, जिसे अच्छा माना जाता है, आप जानते हैं, सबसे पहले, वह अपनी उपपत्नी को लाने के लिए यहूदा के गोत्र, बेथलेहम की ओर वापस जा रहा है, जो भाग गई थी।

वापस आते समय वे अपने घर की ओर जा रहे हैं। वे जेबस में रुकना नहीं चाहते। यही विडंबना है।

यबूस एक विदेशी शहर है। वे अपने ही जैसे किसी शहर में जाना चाहते हैं। वे कहाँ जाते हैं? खैर, वे बिन्यामीन के शहर गिबाह जाते हैं।

और गिबा में क्या हुआ? खैर, यह उत्पत्ति 19 और सदोम की भयावहता का एक पुनरावर्तन है। और यहाँ बात यह है। जैसा कि हम उस कथा को पढ़ते हैं, हमें पता चलता है कि लेवी ने अपनी उपपत्नी को पकड़ लिया।

सिर्फ़ लेता नहीं है। एनआईवी में लिखा है कि लेता है। इब्रानियों के अनुसार, वह अपनी उपपत्नी को पकड़ता है और उसे दरवाज़े से बाहर धकेल देता है।

और, ज़ाहिर है, वह पूरी रात दुर्व्यवहार का शिकार होती है और दहलीज़ पर मर जाती है। इसलिए वह उसे घर ले जाता है, उसे 12 टुकड़ों में काट देता है, और इसराइल के सभी कबीलों को संदेश भेजता है कि बेंजामिन के कबीले के साथ कुछ किया जाना चाहिए। और चूँकि हमारे पास समय नहीं है, इसलिए बेंजामिन के कबीले के खिलाफ़ युद्ध शुरू हो गया है।

वे भी लगभग खत्म हो चुके हैं। लेकिन, ज़ाहिर है, तब वे वाकई हैरान हो जाते हैं। हमने लगभग एक जनजाति खो दी है।

हम क्या करने जा रहे हैं? और इसलिए, अध्याय 21 में दो कानूनी कल्पनाएँ शामिल हैं। अध्याय 21 में वह कानूनी कल्पना खोजें जो उन्हें बेंजामिन के गोत्र को पुनर्स्थापित करने की अनुमति देती है। अब, यह भयानक था।

हमने एक घंटे में दो घंटे का काम पूरा कर लिया। इन अध्यायों को पढ़ें और इनका आनंद लें। मुझे पता है कि अंतिम चार अध्याय बहुत मज़ेदार नहीं हैं, लेकिन इनसे सीखें।

और एक शानदार वसंत अवकाश का आनंद लें। सुरक्षित रहें।